Prabhat Khabar (Date: - 31/12/2019)

करार. दीघा व कंकड़बाग में एसटीपी व सीवरेज का प्रोजेक्ट शुरू

अब एक लाख घरों से निकलने वाला गंदा पानी होगा शुद्ध, बनी योजना

संवाददाता ▷ पटना

शहर के कंकड़बाग और दीघा क्षेत्र के 99,108 घरों के सीवरेज, बाथरूम, रसोई से निकलने वाले गंदे पानी को शुद्ध करने का प्रोजेक्ट सोमवार से शुरू हो गया. एक होटल में कार्यक्रम आयोजित कर बुडको, एनएमसीजी व एसटीपी-सीवरेज पाइप लाइन का निर्माण करने वाली कंपनी वीए टेक वॉबैग के बीच त्रिपक्षीय एकरारनामा पूरा किया गया. इस दौरान नगर विकास व आवास विभाग के सचिव आनंद किशोर, नमामि गंगे के इडी प्रोजेक्ट के हेड अशोक कुमार, बुडको के एमडी चंद्रशेखर सिंह और कंपनी के पंकज सचदेवा सहित संबंधित अन्य अधिकारी मौजूद थे. आनंद किशोर ने बताया कि इसस शहरवासियों को कई तरह की सुविधाएं मिलेंगी.

बुडको, निर्माण कंपनी व एनएमसीजी के बीच करार

प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए 2018 के मई माह में निविदा आमंत्रित की गयी थी. इस वर्ष 14 दिसंबर को निविदा में सफल कंपनी ने बैंक गारंटी जमा की थी. इस प्रोजेक्ट में बुडको को केवल 40 फीसदी राशि कंपनी को देनी है. शेष 60 फीसदी राशि 15 वर्षों के दौरान संचालन और मेंटेन करने के दौरान दी जानी है. पटना शहर में छह एसटीपी व सीवरेज पाइपलाइन का निर्माण होगा, जिसमें दीघा व कंकड़बाग का इलाका शामिल है. इसकी लागत 3594.59 करोड़ रुपये होगी. 350 एमएलडी की क्षमता की एसटीपी और कुल 1160.50 किमी के सीवरेज नेटवर्क का निर्माण किया जाना है.

एमओयू साइन के दौरान नगर व आवास विभाग के सचिव आनंद किशोर व अन्य.

पांच हजार करोड़ से अधिक का काम : नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत राज्य में 50 प्रोजेक्टों पर काम किया जा रहा है. इस पर पांच हजार करोड़ खर्च होंगे. पटना के अलावा बक्सर, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर, दानापुर, मनेर, फुलवारीशरीफ, फतुहा, बाढ़, बख्तियारपुर, मोकामा, व भागलपुर में एसटीपी व सीवरेज नेटवर्क का काम किया जा रहा है.

दीघा सीवरेज योजना

- सीवरेज नेटवर्क : 303 किमी
- एसटीपी : 100 एमएलडी क्षमता
- रखरखाव : 15 वर्ष

कंकड़बाग सीवरेज योजना

- सीवरेज नेटवर्क : 150 किमी
- एसटीपी : 50 एमएलडी क्षमता
- रखरखाव : 15 वर्ष

Hindustan (Date: - 31/12/2019)

प्लाईवुड और कागज उद्योग को बढ़ावा देगी सरकार : मुख्यमंत्री

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि प्लाईवुड और कागज उद्योग को सरकार बढ़ावा देगी। इसके लिए बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति में भी आवश्यक बदलाव किए जाएंगे। सीएम ने सोमवार को मुख्यमंत्री सचिवालय के संवाद में उद्यमी पंचायत की बैठक में यह घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की बैठक में प्लाईवुड, विनियर और फर्नीचर उद्योग को बढ़ावा देने के लिए जो बिन्दु उठाए गए हैं, उस पर तो विचार होगा ही, साथ ही कागज की उपयोगिता को देखते हुए इस उद्योग को भी बढ़ावा देने के लिए हम काम करेंगे। इन उद्योगों को बढ़ावा देने से हरियाली मिशन और कृषि रोड मैप में जो उद्देश्य तय किए गए हैं, उनकी भी पूर्ति होगी। साथ ही, किसानों की आमदनी बढ़ेगी। लोगों को रोजगार मिलेगा।

उद्यमी पंचायत

- औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति में होगा बदलाव, लिये गए सुझाव
- दूसरे राज्यों में किए गए बेहतर कार्यों की भी जानकारी ली जाएगी

उन्होंने निर्देश दिया कि मुख्य सचिव के स्तर पर जल्द से जल्द एक नीति बनाई जाए। कहा कि दूसरे राज्यों में इस संबंध में कुछ बेहतर कार्य किए गए हैं, तो उसका भी अध्ययन करा लें। उद्योग प्रतिनिधियों के साथ उन राज्यों में जाकर महत्वपूर्ण जानकारी हासिल करें। सरकार ने अब नीति बना दी है कि जो भी सरकारी भवन बनेंगे, उसमें फर्नीशिंग साथ-साथ होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोगों का उद्देश्य है कि राज्य का हरित आवरण बढ़ाने के साथ-साथ किसानों की आमदनी बढ़े। किसान फसल एवं फलों का उत्पादन अधिक से अधिक करें, साथ ही पौधे भी लगाएं।

उद्यमी पंचायत में उद्योग मंत्री श्याम रजक, बिहार उद्योग संघ के अध्यक्ष रामलाल खेतान, बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के महासचिव अमित मुखर्जी, प्लाईवुड, विनियर एवं फर्नीचर उद्योग से जुड़े प्रतिनिधि रामविलास शर्मा, दिनेश मिश्रा, आनंद खेमका, अमरेश शर्मा, राजकुमार सोमानी ने अपने विचार और सुझाव रखे।

अतिक्रमण मुक्त कराएं पेज 02

Hindustan (Date: - 31/12/2019)

उद्यमी पंचायत में मिले कई सुझाव

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ सोमवार को प्लाईवुड, विनियर एवं फर्नीचर उद्योग विषय पर आयोजित उद्यमी पंचायत में उद्योग जगत से जुड़े विभिन्न प्रतिनिधियों ने कई सुझाव दिए। कहा कि बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति, 2016 में कुछ बदलाव की जरूरत है। इससे राज्य में इन उद्योगों को प्रोत्साहित किया जा सकेगा।

बैठक में उठाए गए विभिन्न मुद्दों पर मुख्य सचिव के स्तर पर संबद्ध विभागों के अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव के साथ अलग से विचार किया जाएगा। जरूरत पड़ी तो उद्योग क्षेत्र के प्रतिनिधियों से और विचार-विमर्श होगा। बैठक में उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, कृषि मंत्री प्रेम कुमार, मुख्य सचिव दीपक कुमार, डीजीपी गुप्तेश्वर पाण्डेय मौजूद थे।

विनियर उत्पादन को कृषि उद्योग का दर्जा दिया जाए : चैंबर

पटना। बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एवं इंडस्ट्रीज ने राज्य सरकार से विनीयर उत्पादन को कृषि उद्योग का दर्जा दिए जाने की मांग की। चैंबर की ओर से उद्यमी पंचायत के दौरान मुख्यमंत्री को सौंपे गए मांग पत्र में चैंबर के महामंत्री अमित मुखर्जी एवं कोषाध्यक्ष विशाल टेकरीवाल ने कहा कि बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति, 2016 के अंतर्गत विनियर या पेड़ से संबंधित शिल्पों को स्थान नहीं दिया गया है। विनियर पोपुलर, कदम इत्यादि के पेड़ों से बनता है, जिसका रेगुलेशन पर्यावरण एवं वन विभाग द्वारा किया जाता है। पोपुलर एवं कदम इत्यादि की खेती से किसानों की आमदनी बढ़ेगी, साथ ही पर्यावरण पर भी इसका अच्छा प्रभाव पड़ेगा। इससे विनियर का उत्पादन बढ़ेगा और किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी। इसलिए उन्होंने इसे एग्रो इंडस्ट्रीज का दर्जा दिए जाने की मांग की।

Hindustan (Date: - 31/12/2019)

वीटीआर : रेलवे ट्रैक के किनारे लगे कैमरे

सुरक्षा

बगहा | एक संवाददाता

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के मदनपुर वन क्षेत्र के जंगल होकर गुजरी गोरखपुर नरकटियागंज रेलखंड के भाया वाल्मीकिनगर रोड स्टेशन दिल्ली कैंप के बीच ट्रेनों से बाघ समेत अन्य प्रजाति के जानवरों की सुरक्षा को लेकर वीटीआर प्रशासन ने गंभीरता से लेते हुए रेल ट्रैक के दोनों तरफ ट्रैप कैमरा लगाकर सुरक्षा की निगरानी शुरू कर दी है। जंगल क्षेत्र से होकर गुजरी इस रेल खंड पर छह किमी के अंदर वीटीआर की ओर से रेल ट्रैक के दोनों तरफ चार कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं। कैमरे के सहारे मदनपुर वन क्षेत्र के जंगल में वास कर रहे रेल ट्रैक के दोनों तरफ चहलकदमी कर रहे बाघ, हिरण, तेंदुआ, सांभर आदि की निगरानी हो रही है। रेल ट्रैक के आसपास लगे ट्रैप कैमरे में जानवरों को कैद होने पर वीटीआर प्रशासन की ओर से जानवरों की सुरक्षा के लिए वनकर्मियों की चौकसी बढ़ा दी जाती है। कर्मियों की टीम जानवरों की गतिविधि पर कड़ी नजर रखने लगती है। वीटीआर वन प्रमंडल -2 के डीएफओ गौरव ओझा ने बताया कि दोनों तरफ घना जंगल है। फिलहाल रेलवे कि ओर से चाहरदिवारी का काम अधर मे पड़ा है। इससे बाघ आदि एक जंगल से दूसरे जंगल मे जाने के लिए रेल ट्रैक पार करते हैं।

04

ट्रैप कैमरा लगाये गये है जंगल में छह किलोमीटर के अंदर में

06

किमी तक ट्रैक पर जानवरों की गतिविधियों की निगरानी करते है दो रेल ट्रैकर

वीटीआर प्रशासन की ओर से रेलवे ट्रैक के पास लगाये गये कैमरा ट्रैप।
• हिन्दुस्तान

सालिकपुर में गैंडा पहुंचने से कर्मियों की बढ़ी बेचैनी

बगहा। बिहार-यूपी के सीमा पर स्थित वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के जंगल में चहलकदमी कर रहा गैंडा अब रेल लाइन के नजदीक पहुंच गया है। वह रेल ट्रैक से करीब चार सौ मीटर के दायरे में सालिकपुर दियारा मे डेरा डालकर रेल लाइन की ओर मोमेंट बना रहा है।रेल ट्रैक के नजदीक गैंडा के आने की सूचना पर मदनपुर वन क्षेत्र के वनकर्मियों की बेचैनी बढ़ गई है। गैंडे की निगरानी और सुरक्षा में टीम मदनपुर से सालिकपुर दियारा में पहुंच गई है और गैंडा की गतिविधि की जांच शुरू कर दी गई है।

अवसानी हॉल्ट के पास पहुंचा तेंदुआ

बगहा। नगर से होकर गुजरी गोरखपुर-नरकटियागंज रेलखंड के वाल्मीकिनगर रोड बगहा स्टेशन के बीच स्थित अवसानी हॉल्ट स्टेशन के पास वीटीआर के जंगल से भटका एक तेंदुआ पहुंच गया। मदनपुर वन क्षेत्र के वनकर्मियों की टीम को अवसानी हॉल्ट स्टेशन के पास तेंदुआ का पगमार्क मिला। वनकर्मियों ने तेंदुआ को जंगल की ओर लौटने कि आशंका जताई । हालांकि तेंदुआ दो दिनों से नगर के अवसानी हॉल्ट रेलवे स्टेशन के पास चहलकदमी कर रहा है। इसको लेकर लोगों के बीच डर बना हुआ है। वनकर्मियों की टीम तेंदुआ की निगरानी के लिए अवसानी स्टेशन के आसपास जांच पड़ताल कर रही है।